Roll No. (अनुक्रमांक संख्या) ..... **Code** (कूट संख्या) **822-23 HR-M**

वार्षिक परीक्षा (फ़रवरी–मार्च) 2023
कक्षा - VIII (आठवीं)
विषय – हिंदी

कृपया जाँच लें कि इस प्रश्न–पत्र में कुल 22 प्रश्न हैं तथा 08 पृष्ठ हैं।

समय : 3 घंटे | अधिकतम अंक : 80

सामान्य निर्देश

1. इस प्रश्न पत्र के चार खण्ड हैं– खण्ड 'क', 'ख', 'ग' और 'घ'
2. सभी खण्ड अनिवार्य हैं।
3. खण्ड 'क' में अपठित बोध पर आधारित 2 प्रश्न पूछे गए हैं। दोनों प्रश्नों में बहुवैकल्पिक उपप्रश्न दिए गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
4. खण्ड 'ख' में व्यावहारिक व्याकरण पर आधारित 9 प्रश्न पूछे गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
5. खण्ड 'ग' में पाठ्यपुस्तक पर आधारित 7 प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
6. खण्ड 'घ' में रचनात्मक लेखन पर आधारित 4 प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
7. प्रश्नों के सभी उपभागों के उत्तर क्रमशः एक साथ लिखिए।
8. उत्तरपुस्तिका में उत्तर के साथ वही क्रम संख्या लिखिए, जो प्रश्न पत्र में दी गई है।

खंड– 'क'
(अपठित बोध)

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित बहुवैकल्पिक प्रश्नों में से **सर्वाधिक उपयुक्त** विकल्प छाँटकर लिखिए– (1x5=5)

छात्र–छात्राओं को राष्ट्र–निर्माण के आरंभिक चरण में अध्ययन के अतिरिक्त समाज–सेवा के साधारण कार्यों में भी रुचि लेनी चाहिए। छात्र–जीवन में मात्र पुस्तकीय अध्ययन–मनन उनके व्यक्तित्व को सही ढंग से विकसित नहीं कर सकता। उन्हें अपने समाजिक परिवेश को जानना–समझना पड़ेगा। राष्ट्रीय चेतना तथा राष्ट्रीय दायित्व–बोध के लिए उन्हें सामाजिक परिवेश से जुड़ते हुए राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय परिवेश के साथ भी अपने आपको जोड़ना पड़ेगा। भारत विभिन्न संस्कृतियों, धर्मों, भाषाओं, रहन–सहन और रीति–रिवाजों का देश है। अतः छात्र–समाज को पारिवारिक और क्षेत्रीय दायरों को

समझने के साथ–साथ भारत के बृहत् समाज को भी समझना पड़ेगा एवं उसके साथ आत्मीयता स्थापित करनी पड़ेगी। समाज–सेवा राष्ट्रीय आत्मा के निकट पहुँचने का अनिवार्य साधन है। प्रत्येक छात्र एवं छात्रा के लिए यह आवश्यक है कि वह अपने पड़ोसियों, मुहल्लावासियों, ग्राम एवं नगरवासियों के सुख–दुख में सम्मिलित होकर उनकी सहायता करे। रोगियों की सेवा, असहायों की सहायता, मुहल्ले की सफ़ाई, साक्षरता प्रचार, दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति की सहायता आदि समाज–सेवा के ऐसे कार्य हैं, जिनमें वह भाग ले सकता है। इन कार्यों से उनके व्यक्तित्व में अनुशासन, उदारता, सहकारिता, आत्मत्याग, देश–प्रेम जैसे सद्‌गुणों का सहज ही विकास होगा।

(i) राष्ट्र–निर्माण के लिए छात्र–छात्राओं को किन कार्यों में रुचि लेनी चाहिए?
- (क) खेलकूद में
- (ख) सरकारी कार्यों में
- (ग) राजनीति के कार्यों में
- (घ) समाज–सेवा के कार्यों में

(ii) विद्यार्थियों के सम्पूर्ण व्यक्तित्व के विकास हेतु क्या आवश्यक है?
- (क) पुस्तकीय ज्ञान
- (ख) पारिवारिक ज्ञान
- (ग) भौगोलिक ज्ञान
- (घ) सामाजिक ज्ञान

(iii) समाज सेवा साधन है–
- (क) राष्ट्र की आत्मा को समझने का
- (ख) राजनीति में प्रवेश करने का
- (ग) अपने को सुखी बनाने का
- (घ) मानवता की सेवा करने का

(iv) सामाजिक परिवेश से जुड़ने की आवश्यकता क्यों बताई गई है?
- (क) धर्मों और संस्कृतियों की जानकारी के लिए
- (ख) चुनाव जीतने की भावना के लिए
- (ग) राष्ट्रीय चेतना और दायित्व की समझ के लिए
- (घ) सामाजिक बंधनों की परख के लिए

(v) सेवाकार्यों से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व में किन गुणों का विकास होता है?
- (क) आत्मविश्वास और साहस
- (ख) उदारता और स्वार्थपरता
- (ग) सहकारिता और आत्मत्याग
- (घ) असहयोग और देशभक्ति

प्रश्न 2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित बहुवैकल्पिक प्रश्नों में से **सर्वाधिक उपयुक्त** विकल्प छाँटकर लिखिए– (1x5=5)

पर्यटन या देशाटन एक ही अर्थवाची शब्द हैं। इनका शब्दिक अर्थ है– देश–विदेश में भ्रमण करना। मनुष्य में जिज्ञासा वृत्ति होती है, जो उसे अपने देश के विषय में ही नहीं, विदेश के बारे में भी जानने की प्रेरणा देती है। वह नई वस्तुओं को जानना चाहता है, उनके सौंदर्य को निहारना चाहता है। वह विश्व के बारे में बहुत कुछ पढ़ता है। उन्हें अपनी आँखों से देखना चाहता है, उनके रहस्यों को उद्‌घाटित करना चाहता है। ऊँची– ऊँची पर्वत–शृंखलाएँ तथा समुद्र की गहराई उसको अपनी ओर आकृष्ट करती हैं। पर्यटन अथवा देशाटन का सर्वाधिक महत्त्व ज्ञानार्जन है। विभिन्न प्रकार के व्यक्तियों से मिलकर, प्रदेशों के सौंदर्य को देखकर भिन्न–भिन्न तरह की जानकारी प्राप्त होती हैं। पर्यटन द्वारा मनोरंजन भी होता है। विभिन्न स्थानों, पर्वतों, नदी–तालाबों तथा समुद्र की उठती लहरों को देखकर पर्यटक आनंदित हो जाते हैं। परिवर्तित स्थानों तथा वहाँ की जलवायु का प्रभाव स्फूर्ति तो देता ही है, साथ ही नया उत्साह भी भर देता है। उस सबकी स्मृति बहुत समय तक हमारे साथ रहती है। भारत सदैव ऐसा राष्ट्र रहा है। जिसने विश्वविख्यात पर्यटकों को अपनी ओर आकृष्ट किया है। मैगस्थनीज़, फ़ाह्यान, ह्वेनसांग आदि विदेशी पर्यटक भारत भ्रमण के लिए आए तथा यहाँ की सभ्यता, रीति रिवाज, संस्कृति आदि का ज्ञान प्राप्त कर आश्चर्य चकित हुए। जैन और बौद्धों की तो स्वाभाविक प्रवृत्ति घूमना रही है, तभी भारतीय संस्कृति दूर–दराज के प्रदेशों में फैलती चली गई।

(i) मनुष्य की कौन–सी वृत्ति उसे पर्यटन के लिए प्रोत्साहित करती है?
- (क) निःस्वार्थ प्रेम
- (ख) जिज्ञासा
- (ग) साहस
- (घ) दृढ़ निश्चय

(ii) पर्यटन किस कार्य में विशेष रूप से सहायक होता है?
- (क) ज्ञान प्राप्त करने के लिए
- (ख) धन प्राप्त करने के लिए
- (ग) स्वाध्याय के लिए
- (घ) केवल विज्ञान के लिए

(iii) पर्यटक क्या देखकर मुख्यतः आनंदित होते हैं?
- (क) नाना व्यंजन
- (ख) खेल–खिलौने
- (ग) दुर्गम रास्ते
- (घ) प्राकृतिक सौंदर्य

(iv) पर्यटन के पश्चात् मनुष्य कैसा अनुभव करता है?
(क) नवीन उत्साह व स्फूर्ति
(ख) थकान व आलस
(ग) रोमांच व पीड़ा
(घ) साहस व जोश

(v) प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक है–
(क) पर्यटन का विकास
(ख) भारतीय संस्कृति का दर्शन
(ग) पर्यटन का महत्व
(घ) घुमक्कड़ प्रवृत्ति

खंड– 'ख'
(व्यावहारिक व्याकरण)

प्रश्न 3. (क) 'हसना' शब्द में उचित स्थान पर अनुस्वार या अनुनासिक चिह्न का प्रयोग कीजिए (1)

(ख) 'लिफाफा' शब्द में उचित स्थान पर नुक़्ता लगाइए। (1)

(ग) 'दुर्गुण' शब्द में 'र' के उचित रूप का प्रयोग कीजिए। (1)

प्रश्न 4. (क) 'सद्' उपसर्ग में मूल शब्द जोड़कर नया शब्द बनाइए। (1)

(ख) 'इक' प्रत्यय का प्रयोग करते हुए एक नया शब्द बनाइए। (1)

प्रश्न 5. 'अक्षि' शब्द का तद्भव रूप लिखिए। (1)

प्रश्न 6. (क) 'नभ' शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए। (1)

(ख) 'सबल' शब्द का विलोम शब्द लिखिए। (1)

(ग) निम्नलिखित वाक्यांश के लिए एक शब्द लिखिए–
दूर की सोचने वाला (1)

प्रश्न 7. (क) निम्नलिखित की संधि कीजिए–
गण + ईश (1)

(ख) 'स्वच्छंद' शब्द का संधि–विच्छेद कीजिए। (1)

प्रश्न 8. (क) निम्नलिखित समस्तपद का विग्रह करके समास का भेद लिखिए–
यथासमय (1)

(ख) निम्नलिखित विग्रह का समस्तपद बनाकर समास का भेद लिखिए–
माल के लिए गोदाम (1)

प्रश्न 9. (क) रचना के आधार पर वाक्य भेद बताइए–
गाँधीजी नहीं चाहते थे कि उनके विचार दूसरों पर लादे जाएँ। (1)

(ख) निम्नलिखित वाक्य का अर्थ के आधार पर वाक्य–भेद लिखिए–
यदि तुम मेहनत करोगी तो तुम्हारे अच्छे अंक आएँगे। (1)

प्रश्न 10. (क) निम्नलिखित वाक्य का शुद्ध रूप लिखिए–
उसके तो सारे इरादों पर पानी बह गया। (1)

(ख) निम्नलिखित वाक्य में उपयुक्त स्थान पर उचित विराम चिह्न लगाइए–
एक दिन देखा फ्लोरा कहीं बाहर घूमने गई है (1)

(ग) निम्नलिखित मुहावरे का वाक्य में प्रयोग कीजिए–
आसमान सिर पर उठाना (1)

प्रश्न 11. (क) निम्नलिखित काव्य–पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार का नाम बताइए–
फूल हँसे, कलियाँ मुसकाई (1)

(ख) रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए–
जब एक ही शब्द दो या दो से अधिक बार आए और उसका अर्थ हर बार भिन्न हो, वहाँ..... अलंकार होता है। (1)

खंड– 'ग'
(पाठ्यपुस्तक)

प्रश्न 12. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– (1x3=3)

एक अकेला ताँगा था दूरी पर
कोचवान की काली–सी चाबुक के बल पर वो बढ़ता था
घूम–घूम जो बलखाती थी सर्प सरीखी
बेदर्दी से पड़ती थी दुबले घोड़े की गरम पीठ पर
भाग रहा वह तारकोल की जली
अँगीठी के ऊपर से।

(क) कोचवान की काली–सी चाबुक किसके समान बलखाती थी?

(ख) 'तारकोल की जली अँगीठी' वाक्यांश का प्रयोग किसके लिए किया गया है?

(ग) कोचवान का व्यवहार अपने पालतू घोड़े के प्रति कैसा था?

प्रश्न 13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो प्रश्नों** के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए– (2x2=4)

(क) 'तिनका कबहुँ न निन्दिये .....' इस दोहे में कबीरदास जी तिनके का उदाहरण देकर क्या संदेश देना चाहते हैं?

(ख) लाख उपाय करने पर भी बिगड़ी बात नहीं बनती। रहीम दास जी के दोहे का उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

(ग) बलराम की चोटी कैसी है? सूरदास के 'पद' के आधार पर उत्तर दीजिए।

प्रश्न 14. पक्षी के क्या अरमान हैं? पक्षी अपने उन अरमानों को पूरा करने के लिए क्या –क्या त्यागने को तैयार हैं? 'हम पंछी उन्मुक्त गगन के' कविता के आधार पर उत्तर दीजिए। (3)

अथवा

'नीड़ का निर्माण फिर–फिर .....' इस काव्य पंक्ति के माध्यम से कवि हरिवंशराय बच्चन क्या संदेश देना चाहते हैं? 'निर्माण' कविता के आधार पर लिखिए।

प्रश्न 15. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– (1x4=4)

शॉल तो समझ में आता है, पर यह 'तूश' क्या बला है? हम अपनी जिज्ञासा प्रकट कर पाते कि पत्नी ने लड़की को शॉल खुद पहुँचाने के वादे के साथ विदा किया और अंतर्धान हो गईं। आईं तो उनके हाथ में एक मटमैला–सा गरम कपड़े का टुकड़ा था। उनके चेहरे पर संत्रास का भाव था और स्वर में परेशानी। पता लगा कि पड़ोसन से उधार लिए शॉल पर चटनी के कुछ दाग लग गए थे। हमें उसे ड्राई–क्लीन करवाने का ज़िम्मा दिया गया। चूँकि वह कमबख़्त 'तूश' का था, उसकी सफ़ाई में डेढ़ सौ की चोट लगी। बहरहाल पड़ोसन को तूश पर दाग लगने का हादसा ज्ञात हो गया और उन्होने तूश–दागी करने के लिए हमारी पत्नी को दोषी ठहराया। उनके अनुसार यह जान–बूझकर किया गया अपराध था, जिसकी जड़ में जलन और स्पर्धा की भावना थी। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी शुद्ध महँगी चाय की पत्ती के बदले हमारे घर में चाय की पत्ती के नाम पर उसका चूरा उन्हें माँगने पर मिलता था। ऐसे तूश प्रकरण के बाद हमारे घरों में शीत–युद्ध चल रहा है और महिलाओं में बातचीत बंद है।

(क) लेखक की पत्नी के चेहरे पर आए भय के भाव का क्या कारण था?

(ख) वह मटमैला–सा गरम कपड़ा क्या था और उसे ड्राई–क्लीन करवाने में कितना ख़र्चा आया?

(ग) पड़ोसन ने लेखक की पत्नी को किस बात के लिए दोषी ठहराया?

(घ) तूश–प्रकरण का परिणाम क्या निकला?

प्रश्न 16. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन प्रश्नों** के उत्तर 25 से 30 शब्दों में लिखिए– (2x3=6)

(क) पेड़ों को पानी देने की कोशिश में बच्चों ने क्या हुड़दंग मचाया?

(ख) कोया आदिवासियों के नेता का क्या नाम था? आदिवासियों से उसका परिचय किस प्रकार हुआ?

(ग) सिंचाई साहब ने भोलाराम की अर्ज़ी पढ़कर क्या कहा?

(घ) दारा के असल धन को देखकर दरबारियों के सिर शर्म से क्यों झुक गए?

प्रश्न 17. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो प्रश्नों** के उत्तर 30–40 शब्दों में लिखिए– (3x2=6)

(क) गाँधी जी ने भ्रष्टाचार को आश्रम में फैलने से किस प्रकार रोका? 'आश्रम के अतिथि और संस्मरण' पाठ के आधार पर लिखिए।

(ख) सोना कौन थी और वह महादेवी वर्मा के प्रति अपने स्नेह की अभिव्यक्ति किस प्रकार करती थी?

(ग) लेखक ने डायरी लिखकर अपने मन की किस झुंझलाहट को अभिव्यक्त किया? 'पौधे के पंख' पाठ के अधार पर लिखिए।

प्रश्न 18. बातचीत की कला निराली क्यों है? भविष्य में आप बातचीत करते समय किन–किन बातों का ध्यान रखेंगे? 'बातचीत की कला' पाठ के आधार पर बताइए। (4)

अथवा

ईर्ष्यालु व्यक्ति को कौन–सी वेदना भोगनी पड़ती है तथा इन लोगों से बचने का क्या उपाय है? 'ईर्ष्या तू न गई मेरे मन से' पाठ के आधार पर लिखिए।

खंड– 'घ'
(रचनात्मक लेखन)

प्रश्न 19. निम्नलिखित में से **किसी एक** विषय पर (80–100 शब्दों में) अनुच्छेद लिखिए– (5)

(क) नदियों का महत्व
- पवित्र नदियाँ
- नदियों में बढ़ता प्रदूषण
- नदियों की स्वच्छता के उपाय

(ख) साहस : एक आवश्यक गुण
- साहसी व्यक्ति की विशेषताएँ
- साहस कठिन समय में सहायक
- साहस को सलाम

(ग) यदि मैं अंतरिक्ष यात्री होता
- अंतरिक्ष यात्री क्यों?
- चुनौतियाँ तथा उनका सामना
- निष्कर्ष

प्रश्न 20. सड़क के चौराहे पर लाल बत्ती न होने से अनेक वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो जाते हैं। इस संबंध में यातायात अधिकारी को पत्र लिखिए। (5)

अथवा

आपका प्रिय मित्र अंतर्राष्ट्रीय स्तर की तैराकी प्रतियोगिता में प्रथम आया है। उसकी उपलब्धि पर उसे बधाई–पत्र लिखिए।

प्रश्न 21. भारतीय सुरक्षा बलों में महिलाओं की बढ़ती संख्या पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए दो महिलाओं की बातचीत को संवाद के रूप में लिखिए। (5)

अथवा

राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहे हैं। इस विषय पर दो मित्रों की बातचीत को संवाद के रूप में लिखिए।

प्रश्न 22. आप अपने विद्यालय के सांस्कृतिक सचिव हैं। विद्यालय में वार्षिक उत्सव की जानकारी विद्यार्थियों को देते हुए लगभग 25 से 30 शब्दों में एक सूचना तैयार कीजिए। (5)

अथवा

आप एकता सोसायटी के अध्यक्ष रमेश चौघरी हैं। अपनी सोसायटी के मुख्य पार्क में आयोजित होने वाले योग–शिविर के विषय में जानकारी देते हुए लगभग 25 से 30 शब्दों में एक सूचना तैयार कीजिए।